www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 अंधड़, बारिश और चेतावनी: बदलता मौसम... 3 पवन कुमार टीनू ने पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास... 4 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि...

वर्ष: 9 | अंक: 214 | दिल्ली, गुरुवार, 29 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी रेखा गुप्ता सरकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार 31 मई को अपने पहले 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अब तक किए गए कार्यों के बारे में सूचित रखना उनकी जिम्मेदारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 साल के अंतराल के बाद शहर में सरकार बनाई, जिसके तहत गुप्ता ने 20 फरवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एक भव्य समारोह था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गुप्ता के कैबिनेट सहयोगी भी शामिल हुए। दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जनता द्वारा चुनी गई काम करने वाली सरकार सत्ता में आई है। मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि आपके भरोसे पर हमने पिछले 100 दिनों में दिल्ली के लिए काम किया है। हमने कई ऐसे फैसले सही किए जो पिछली सरकारों के समय सही नहीं थे। केंद्र की योजनाओं को दिल्ली में लागू करने का काम किया गया। अब दिल्ली की जनता को डबल इंजन का पूरा लाभ मिल रहा है।

दो दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर जाएंगे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने और हाल में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मिलने के लिए 29 और 30 मई को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर सकते हैं। हालांकि, अब इस खबर की पुष्टि हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह कल शाम जम्मू-कश्मीर पहुंचेंगे। प्रस्तावित दौरे के दौरान, वे ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करेंगे और प्रभावित लोगों से मिलने के लिए पुंछ और नौशेरा जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वे एकीकृत कमान बैठक की अध्यक्षता भी कर सकते हैं। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद से इस क्षेत्र की उनकी पहली यात्रा है, जिसे भारतीय वायुसेना ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चलाया था।

बिहार की जनता चाहती है बदलाव-प्रशांत किशोर

बिहार (एजेन्सी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के सपनों को साकार करने और बिहार में राजनीतिक और व्यवस्थागत बदलाव लाने के लिए मंगलवार को एक महत्वाकांक्षी यात्रा पर निकले है। राज्यव्यापी बिहार बदलाव यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर अगले 120 दिनों में बिहार के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। वे हर दिन दो सभाओं को संबोधित करेंगे और रास्ते में ग्रामीणों से संक्षिप्त बातचीत के लिए रुकेंगे। सीवान में आज प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है। वे अपने बच्चों के लिए शिक्षा और रोजगार चाहते हैं और पलायन रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अब सभी को समझ आ गया है कि बिहार में विकास कार्य होने चाहिए और यहां कारखाने लगने चाहिए। लोग लालू (यादव) और नीतीश (कुमार) से मुक्ति चाहते हैं। बिहार में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं क्योंकि इसके सीएम नीतीश कुमार शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। बिहार की जनता इस बार अपने बच्चों के लिए वोट करेगी। अपने आंदोलन को जयप्रकाश नारायण (जेपी) की क्रांति से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी नेता ने 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया था, जिसे 50 साल हो गए हैं।

मोदी सरकार ने खरीफ फसलों पर किसानों के लिए बढ़ाई एमएसपी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 69 रुपये बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दी है। इस बात की जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 सालों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में, खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50% को भी ध्यान में रखा गया है।

दालों की बात करें तो 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए तुअर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़कर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द का 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का 86 रुपये बढ़ाकर 8,768 रुपये

प्रति क्विंटल कर दिया गया है। रामतिल, रागी, कपास और सेसम (तिल) के लिए एमएसपी में पिछले वर्ष की तुलना में उच्चतम पूर्ण वृद्धि की सिफारिश की गई है। खरीफ फसलों के 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर करने की घोषणा की गई थी।

अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्याज सहायता योजना को मंजूरी दी है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की गई थी। इससे किसानों के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्त करना बहुत आसान हो गया था। ब्याज सहायता योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी की लागत कम हो गई है।

प्रभावी रूप से, किसानों के लिए 4% ब्याज पर 2 लाख रुपये तक का ऋण/पूंजी सुनिश्चित करने पर विचार किया गया है।

बिहार पहुंचा कोरोना वायरस, पटना एम्स में एक महिला डॉक्टर समेत सात लोग पॉजिटिव

पटना (एजेन्सी)। कोविड-19 के फिर से बढ़ने की चिंता के बीच बिहार की राजधानी पटना में सात नए कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें एम्स-पटना के स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल हैं। मामलों में आई इस वृद्धि ने राज्य भर के अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा है और एहतियाती उपाय तेजी से लागू किए जा रहे हैं। नए संक्रमितों में एक महिला डॉक्टर, एक महिला नर्स और एम्स-पटना की एक अन्य कर्मचारी शामिल हैं, जिनका इलाज फिलहाल वरिष्ठ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में दो और मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं, जबकि एक अन्य मामले में आरपीएस मोड़ इलाके का 42 वर्षीय व्यक्ति शामिल है, जिसका परीक्षण राजा बाजार स्थित एक निजी लैब में किया गया था। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह के अनुसार, शहर में अब कुल नौ सक्रिय कोविड-19 मामले हैं। इनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि शेष छह को होम आइसोलेशन में रखा गया है। यह वे कर्मचारी हैं जो पिछले समायोजन में छूट गए थे। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में इन कर्मियों का समायोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व कई कर्मियों का विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों में समायोजन हो चुका है।

दिल्ली हाट में 'ऑपरेशन सिन्दूर' इंस्टालेशन का भव्य शुभारंभ

15 दिनों तक यह इंस्टालेशन दिल्ली हाट में रहेगी-मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा दिल्ली हाट में 'ऑपरेशन सिन्दूर' से संबंधित एक विशेष इंस्टालेशन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत देश के प्रधानमंत्री द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर दिए गए ओजस्वी संदेश से हुई। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के विरुद्ध देश की एकजुटता, सेना के पराक्रम और पाकिस्तान को करारा जवाब देने की संकल्पशक्ति का उल्लेख किया। श्री मिश्रा ने कहा कि दिल्ली हाट न केवल राजधानी का सांस्कृतिक केंद्र है, बल्कि देश-विदेश से आने वाले लाखों पर्यटकों का प्रिय स्थल भी है। 'ऑपरेशन सिन्दूर' इंस्टालेशन भारतीय सेना की वीरता और त्याग को श्रद्धांजलि देने का एक प्रयास है। यह इंस्टालेशन देशवासियों और विदेशी पर्यटकों को भारतीय सेना के अद्भुत साहस और शौर्य की याद दिलाएगा।

इंस्टालेशन में प्रतीकात्मक सिन्दूर भी रखा गया है, जिसे पर्यटक तिलक के रूप में प्रयोग कर सेना को सम्मान दे सकेंगे। मंत्री ने बताया कि यह इंस्टालेशन दर्शाता है कि किस प्रकार भारतीय सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त किया। यह विश्व इतिहास में पहली बार हुआ जब किसी एटॉमिक पॉवर के एयरबेस पर इतनी साहसिक कार्रवाई की गई।

इस पहल के अंतर्गत दिल्ली के अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार की इंस्टालेशन लगाई जाएंगी। दिल्ली हाट से इसकी शुरूआत की गई है और आने वाले 15 दिनों तक यह इंस्टालेशन यहाँ प्रदर्शित की जाएगी।

यह आयोजन न केवल भारतीय सेना के पराक्रम का सम्मान है बल्कि देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास भी है। दिल्ली सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी।

सीएम ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की निगरानी हेतु रियल टाइम ट्रैकिंग पोर्टल और मोबाइल ऐप का किया शुभारंभ

'लोकेशन बेस्ड ट्रैकिंग से अब सफाई में नहीं होगी ढिलाई'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वच्छता कार्यक्रम को और अधिक गति देने तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग में और अधिक पारदर्शिता लाने हेतु आज डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की निगरानी हेतु रियल टाइम ट्रैकिंग पोर्टल और मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया।

इस डिजिटल पहल से नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में लाइव लोकेशन के आधार पर कचरा संग्रहण के कार्य में लगी गाड़ियां और मैनपावर की सटीक जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी। प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र और एरिया में चलने वाली गाड़ी की लाइव ट्रैकिंग देख सकता है। इस कदम से यह भी सुनिश्चित होगा कि हर घर से नियमित रूप से कचरा उठाया जा रहा है या नहीं। वर्तमान में 37 नगर पालिकाएं इस पोर्टल पर लाइव हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री यहां जिला नगर आयुक्तों (डीएमसी) और नगर निगम आयुक्तों (एमसी) के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

शहरों में लेगसी वेस्ट पर सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी शहर में कूड़े-कचरे के ढेर नहीं दिखाई दिए जाने चाहिएं। सरकार का लक्ष्य शहरों को स्वच्छ बनाना है। इसलिए सभी अधिकारियों को जिम्मेवारी के साथ काम करने की आवश्यकता है। स्वच्छता हमारी पहली प्राथमिकता है। नगर निकायों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुधार कार्यों को तय समय में पूरा किया जाए। निकायों में किसी भी सड़क पर गड्ढे नहीं होने चाहिए। संबंधित अधिकारी सड़कों की मरम्मत की मॉनिटरिंग करें। सड़कों की मरम्मत और रि-कारपेटिंग के कार्य में तेजी लाई जाए और 15 जून तक सभी सड़कों के नवीनीकरण के कार्य को पूर्ण किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिन निकायों में स्वच्छता से संबंधित नए टेंडर लग चुके हैं, मुख्यालय के अधिकारी उन निकायों का दौरा करें और कार्यों की स्थिति व प्रगति के संबंध में आगामी 7 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसके अलावा, कार्यप्रणाली के प्रदर्शन के आधार पर संबंधित एजेंसी और कॉन्ट्रैक्टर पर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मियों की हाजिरी लगवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो निकाय स्वच्छता के मामले में बेहतरीन प्रदर्शन करेगी, उसे सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने वाले एजेंसी कॉन्ट्रैक्टर को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरों में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए शहरों के मुख्य एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगवाना सुनिश्चित करें। इससे आपराधिक गतिविधियों में भी कमी आएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक पंकज, मुख्यमंत्री के ओएसडी राज नेहरू, सहित नगर निगमों के आयुक्त, जिला नगर आयुक्त व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोई भी राष्ट्र या समाज अपनी कला, संस्कृति और भाषा के बिना अधूरा है: कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री मिश्रा ने राजधानी के विभिन्न कला क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ दिल्ली सचिवालय में आज एक विशेष बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कलाकारों से संवाद स्थापित कर उनके विचारों को सुनना और उन्हें सरकार की योजनाओं में शामिल करना था।

श्री मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में एक नई सरकार आई है जिसे जनता का अपार समर्थन मिला है। यह सरकार प्रधानमंत्री के विजन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र या समाज अपनी कला, संस्कृति और भाषा के बिना अधूरा है और राजधानी दिल्ली को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाना हमारी प्राथमिकता है। श्री मिश्रा ने कहा की कलाकार अपना पूरा योगदान देता है अपनी कला और संस्कृति को आगे बढ़ने में, पर सरकार का योगदान प्रशंसनीय नहीं रहा, और पिछले कुछ वर्षों से तो लगभग नगण्य रहा है। पिछले कुछ समय में सरकार कला और संस्कृति पर उतना ध्यान नहीं दे पाई जितना देना चाहिए था।

मंत्री ने एक प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से कला और संस्कृति के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि जब नेपोलियन को युद्ध के समय संसाधनों की आवश्यकता हुई, तो उन्होंने कला और संस्कृति के बजट में कटौती करने की बात की, जिस पर उन्हें यह सलाह दी गई कि जिस राज्य से कला और संस्कृति लुप्त हो जाए, उसकी विजय का कोई मूल्य नहीं।

बैठक में फिल्म, संगीत, थिएटर, मंच कला, भजन एवं गायन से जुड़े वरिष्ठ कलाकारों ने भाग लिया, जिनमें कुछ को पद्म भूषण जैसे उच्च सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। मंत्री ने सभी कलाकारों का गर्मजोशी से स्वागत किया, मुख्य आकर्षण ये था कि कलाकारों का स्वागत करने के लिए मंत्री कपिल मिश्रा खुद उनकी सीट तक गए। कलाकारों के प्रति उनके सम्मान को देखकर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

यह बैठक सरकार और कलाकारों के बीच सहयोग की नई शुरूआत मानी जा रही है, जिससे दिल्ली को कला, संस्कृति और रचनात्मकता की राजधानी बनाने के प्रयासों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा कला एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कलाकारों की मुलाकात दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी कराई, रेखा गुप्ता ने भी गर्मजोशी से सभी कलाकारों का अभिवादन किया एवं भविष्य में सरकार द्वारा सभी तरह की मदद देने का आश्वासन भी दिया।

लैंड पूलिंग किसानों के लाभ और अवैध कॉलोनाइजरों के भ्रष्ट राज को खत्म करने के लिए है: सीएम भगवंत मान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पटियाला में 'आप सरकार तुहाडे द्वार' कार्यक्रम के दौरान लोगों से विस्तृत बातचीत की। इस दौरान उन्होंने राज्य की लैंड पूलिंग नीति से जुड़ी चिंताओं और अफवाहों पर कहा कि यह योजना पारदर्शिता, समावेशिता और लोगों की सुविधा के लिए है। मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार जबरन भूमि अधिग्रहण नहीं कर रही है, बल्कि शहरी विकास परियोजनाओं के लिए किसानों और भू-मालिकों की सहमति से काम करेगी। इस पारदर्शी और जनहितैषी योजना के खिलाफ प्रचार करने और विपक्षी दलों द्वारा फैलाई गई अफवाहों का खंडन करते हुए सीएम मान ने कहा, "कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि सरकार जबरन आपकी जमीन अधिग्रहण करने की योजना बना रही है। मैं आज यह स्पष्ट करने के लिए यहां आया हूं कि हम किसी की भी जमीन उनकी सहमति के बिना नहीं लेंगे।"

मान ने पिछली सरकारों के दौरान किए गए भ्रष्टाचार पर प्रकाश डाला और भूमि अधिग्रहण के अपारदर्शी तरीके को उजागर किया। उन्होंने कहा, "पहले सुखबीर बादल जैसे नेता योजनाओं को मंजूरी देते थे, फिर उन्हें अपने चहेते

■ 'बिना सहमति किसी की जमीन नहीं ली जाएगी'-सीएम

लोगों के साथ साझा करते थे, इसका नतीजा यह होता था कि कुछ लोग बड़े पैमाने पर जमीन खरीद कर मुनाफाखोरी करते थे, जबकि किसान और आम लोग नुकसान में रहते थे। अब वे दिन चले गए हैं। हम पारदर्शी और निष्पक्ष शासन के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

स्वैच्छिक भागीदारी: भूमि मालिक खुद फैसला ले सकते हैं कि वे इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहते हैं या नहीं। जो लोग अपनी जमीन नहीं देना चाहते हैं, वे खेती या अन्य उद्देश्यों के लिए इसका उपयोग जारी रख सकते हैं। गारंटेड रिटर्न योगदान किए गए प्रत्येक एकड़ के लिए भूमि मालिकों को विकसित शहरी क्षेत्रों में 1,000 वर्ग गज का आवासीय भूखंड और दुकानों या शोरूम के लिए 200 वर्ग गज का वाणिज्यिक स्थान मिलेगा। एक बार विकसित होने के बाद इन भूखंडों और स्थानों का बाजार मूल्य काफी अधिक होगा।

कोई अतिरिक्त लागत नहीं: सड़क, जल निकासी, बिजली और जल आपूर्ति जैसी बुनियादी ढांचे सहित सभी विकास

लागतें सरकार द्वारा वहन की जाएंगी। उदाहरण के लिए, यदि आपकी भूमि की कीमत रु1 करोड़ प्रति एकड़ है, तो बदले में आपको जो विकसित संपत्ति मिलेगी, उसकी कीमत रु3-4 करोड़ होगी। आप संपत्ति रख सकते हैं, इसे लगातार आय के लिए किराए पर दे सकते हैं या अपने विवेक के अनुसार बेच सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने पंजाब में अवैध कॉलोनियों के मुद्दे को भी संबोधित किया और कहा-यह पिछली सरकारों की भ्रष्टाचार की विरासत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब भर में अवैध कॉलोनियां उग आईं, जिससे निवासियों को सीवेज, बिजली या पीने योग्य पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना गुजारा करना पड़ा। वहीं बिल्डरों और डेवलपर्स ने मुनाफा कमाया। हमारी सरकार इन कॉलोनियों को विनियमित और पुनर्विकास करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक निवासी को आधुनिक सुविधाएं मिल सके। सीएम मान ने ग्रामीण पंजाब में आधुनिक शहरी नियोजन लाने के महत्व पर जोर दिया और कहा, "हमारे गांवों को शहरों के समान ही जीवन स्तर मिलना चाहिए। नियोजित विकास से उचित सीवेज, पार्क, बिजली और स्वच्छ पानी सुनिश्चित होगा। यह केवल बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है, यह हमारे ग्रामीण लोगों को वह सम्मान देने के बारे में है जिसके वे हकदार हैं।"

मुख्यमंत्री ने डर और गलत सूचना फैलाने के लिए विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की और कहा, "इन नेताओं में से आधे, जो अब लोगों के साथ खड़े होने का दावा करते हैं, खुद बिल्डर हैं। वे भू-माफिया के दोस्त हैं और पंजाब की जमीनों को अपने सहयोगियों को औने-पौने दामों पर बेचने के लिए जिम्मेदार हैं। वे हमारी नीतियों से डरते हैं क्योंकि उससे जवाबदेही सुनिश्चित होती है।"

मुख्यमंत्री मान ने अकाली नेता मनप्रीत अयाली का उदाहरण देते हुए लैंड पूलिंग नीति का विरोध करने में उनके व्यक्तिगत स्वार्थ को उजागर किया। मान ने कहा, "मनप्रीत अयाली इस नीति से डरते हैं क्योंकि यह पारदर्शिता और जवाबदेही लाती है, जिससे रियल एस्टेट के उनके कारोबार खत्म हो जाएंगे। ऐसे लोग किसानों के हितों के लिए नहीं, बल्कि अपने खुद के कारोबार की रक्षा के लिए निराधार अफवाह फैला रहे हैं, लेकिन पंजाब के संसाधनों का दोहन करने के दिन अब खत्म हो चुके हैं।"

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि लैंड पूलिंग नीति के तहत सभी समझौते सीधे सरकार और भू-मालिकों के बीच किए जाएंगे, जिससे कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित होगी और शोषण की कोई संभावना नहीं रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हरियाणा होगा योगमय

'कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा भव्य राज्य स्तरीय समारोह'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को पूरा हरियाणा योगमय नजर आएगा। इस उपलक्ष्य पर जिला कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग एक लाख से भी अधिक लोगों की भागीदारी होगी। इस कार्यक्रम में योग गुरु बाबा रामदेव जी भी शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से वर्ष 2015 से हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जब यूएनओ में प्रस्ताव रखा, उस समय 177 देशों ने समर्थन किया था। आज पूरी दुनिया ने योग को अपनाया है। उन्होंने कहा कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियों के लिए आज आयुष विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। पूरा हरियाणा योगमय हो, ऐसा वातावरण बनाना है। उन्होंने कहा कि योग हमारे देश की प्राचीन

परंपरा है। यह केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। योग ने स्वास्थ्य के प्रति हमें जागरूक रहने का माध्यम प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सभी अपने जीवन में योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और 'स्वस्थ भारत' की ओर एक और कदम बढ़ाएं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ योग मैराथन, योग जागरण यात्रा सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। स्कूली बच्चों से लेकर समाज के सभी वर्गों को योग दिवस कार्यक्रम से जोड़ा जायेगा। ये कार्यक्रम आज से 21 जून तक चलेंगे। योग कार्यक्रमों के साथ स्वच्छता कार्यक्रम को भी जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग के 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी मंत्रीगण, सांसद, विधायक, अधिकारी, कर्मचारी और अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ भारत-स्वस्थ हरियाणा के साथ-साथ हम योग युक्त हरियाणा-नशामुक्त हरियाणा का भी आगाज करेंगे, ताकि समाज से नशे को जड़ से समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, हरित योग के माध्यम से प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेकर 10 लाख पौधारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए पंजीकरण के लिए पोर्टल बनाया गया है और 10 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सम्पादकीय

रोजगार के अवसर

उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में एक अत्याधुनिक फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जो राज्य के युवाओं, खासकर यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और इसके आसपास के युवाओं के लिए सुनहरे अवसर लेकर आएगा। इस इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स, कैमरा ऑपरेशन, लाइटिंग, फैशन, मीडिया और मास कम्युनिकेशन जैसे विविध कोर्सेज में प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को फिल्म सिटी में ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। उल्लेखनीय है कि यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी 230 एकड़ में पहले चरण के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें 1,510 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बॉलीवुड के प्रसिद्ध निमार्ता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्सियम बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रा. लि. द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी का निर्माण करने जा रही है। निर्माण के पहले चरण में आगामी तीन साल के अंदर विभिन्न स्टूडियो और फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण संपन्न होगा। कंपनी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि यह फिल्म इंस्टीट्यूट अपनी तरह का अनोखा होगा। पहले चरण में 3 लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाएगा। इंस्टीट्यूट में आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कक्षाएं, स्टूडियो, एडिटिंग सुइट्स और वीआर लैब होंगे। छात्रों को वास्तविक फिल्म परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव प्रदान किया जाएगा, साथ ही नवीनतम फिल्म तकनीकों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। राजीव अरोड़ा ने कहा कि इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण और रोजगार दोनों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। खास तौर पर यमुना एक्सप्रेसवे और इसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को पहली वरीयता मिलेगी, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों के युवा भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुंबई से स्टाफ लाने की तुलना में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देना अधिक किफायती होगा, जिससे फिल्म सिटी में ही स्टूडियो, प्रोडक्शन और अन्य क्षेत्रों में नौकरियां सृजित होंगी। इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्टोरी राइटिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, कैमरा ऑपरेशन, लाइटमैन, स्पॉट ब्वॉय, वीएफएक्स, फैशन और मास कम्युनिकेशन जैसे कोर्सेज उपलब्ध होंगे।

कविता सिंदूर

-प्रो. सत्यसंध भारद्वाज
(समस्तीपुर)

जख्म दिए अनगिनत, मां भारती के भाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा, नापाक के कपाल पर।।

कायरों ने मानवीय , मूल्य पर प्रहार किया ।
छल से धर्म पूछ, मासूमों का नरसंहार किया।।
जुल्म किए बेशुमार , भारती के लाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा, नापाक के कपाल पर।।

हक अदा की बेटियों ने, रण में चण्डिका बनीं।
समर दैत्य हारिणी, अति क्रुद्ध कालिका बनीं।।
मृत्यु बन झपट पडीं , दुस्साहसी श्रृगाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा, नापाक के कपाल पर।।

चूर्ण तुझको कर दिया, आकाश ने आकाश में।
देख रही दुनिया सब, बारूद के प्रकाश में।।
असत्य बोलते हो तुम, अतिवाद के सवाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा, नापाक के कपाल पर।।

सर्वदा प्रपंच का ही , खेलते तुम खेल हो।
दोमुंहे हो सांप फिर, किस तरह तुझसे मेल हो।।
विश्व को यूं कब तलक, भरमाओगे भ्रमजाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा , नापाक के कपाल पर।।

भूख से मरती अवाम, इतनी तेरी औकात है।
फौज भीख पर टिकी, फकीरों की बारात है।।
वश नहीं रहा तेरा, चावल और आटे दाल पर ।
सिन्दूर से हमने लिखा , नापाक के कपाल पर।।

अब भी सुधरो वर्ना तो, भुगतो बड़े अंजाम तुम।
हो गए हो दुनिया में , यूं ही बहुत बदनाम तुम।।
सत्य तरस खालो कभी, तुम तो अपने हाल पर।
सिन्दूर से हमने लिखा , नापाक के कपाल पर।।

जयंती

हीराबाई बरोदेकर

जन्म-29 मई, 1905; मृत्यु-20 नवंबर, 1989) किराना घराने की हिन्दुस्तानी शस्त्रीय गायिका थीं। उन्हें कला के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन 1970 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया था। हीराबाई बरोदेकर एक प्रतिभाशाली गायिका ही नहीं, बल्कि भारत की पहली महिला कलाकार थीं जिन्हें पुरुषों के वर्चस्व के दौर में लोग कॉन्सर्ट में सुनने आए। साल 1947 में हीराबाई ने अपने जीवन की सबसे खास प्रस्तुति दी थी। 15 अगस्त के दिन जब देश आजाद हुआ, उन्हें लाल कि ले पर खासतौर पर आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गाया था।

पुण्यतिथि

योगेश (गीतकार)

जन्म-19 मार्च, 1943, लखनऊ, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-29 मई, 2020, मुम्बई, महाराष्ट्र) प्रसिद्ध भारतीय गीतकार और लेखक थे। उन्हें विशेष रूप से फिल्म 'आनंद' के गीत 'कहीं दूर जब दिन ढल जाये' और 'ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाए'; 'रिमझिम गिरे सावन' (फिल्म-मंज़िल), 'रजनीगंधा फूल तुम्हारे' (फिल्म-रजनीगंधा) जैसे सुपरहित गीतों के लिए प्रसिद्धि प्राप्त है। भारतीय हिंदी सिनेमा में उनके दिये योगदान के लिए उन्हें 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' के अलावा 'यश भारती पुरस्कार' भी दिया गया।

कल मिलेंगे

पापा-नालायक, तूने मम्मी से ऊंची आवाज में बात की.
बेटा-मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है.
पापा-नहीं, मुझे कैसी जलन.
बेटा-क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते?.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

अंधड़, बारिश और चेतावनी: बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी

-योगेश कुमार गोयल

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूवार्नुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निमार्णाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरूआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं।

दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। शहरी हीट आइलैंड प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यतः ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है।

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है। कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है।

वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूवार्नुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी।

बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और बहुचर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के लेखक हैं)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिरकार बांग्लादेश की कमजोर नसों को कब दबाएगा भारत?

शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे

-कमलेश पांडेय

कभी 'ग्रेटर बंगलादेश' का स्वप्न संजोने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता और बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब अपने ही देश में ऐसे घिरे हैं कि जब उन्हें आगे का कोई रास्ता नजर नहीं आया तो फिर अपने जन्मदाता भारत पर ही अनर्गल लांछन लगाने लगे। वह अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की गोद में खेलें, कोई बात नहीं लेकिन भारत और हिंदुओं से खेलेंगे तो अगले ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार रहें। याद रखें, तब कोई बाप बचाने नहीं आएगा। हाल ही का पाकिस्तानी मंजर देख लें, अंजाम समझ लें और हो सके तो भारत के पड़ोस में बचकानी हरकत बंद कर दें।

बता दें कि अपनी पिछली चीन यात्रा के दौरान ही उन्होंने बढ़चढ़ कर "भारत के चिकेन नेक" पर काबिज होने, पश्चिम बंगाल-उत्तर-पूर्व बिहार और उत्तर-पूर्व के सात बहन राज्यों को मिलाकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने और नार्थ-ईस्ट राज्यों को लैंड लॉक्ड बताकर इलाकाई समुद्र का बेताज बादशाह होने का जो दिवास्वप्न उन्होंने देखा है, उसके मुताल्लिक भारत भी उन्हें दिन में ही तारे दिखाने की रणनीति बना चुका है। अब वो आगे बढ़ेंगे तो पीछे से भारत भी एक बार फिर बांग्लादेश का अंग भंग कर देगा! क्योंकि कभी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान का अंग भंग करवाकर भारत ने ही जिस बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, आज वही बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि वहां की शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद महज 6 माह में ही परवर्ती कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश भारत विरोधी चीनी, पाकिस्तानी और अमेरिकी अखाड़े का अड्डा बन चुका है, जो उसके लिए शर्म की बात होनी चाहिए। यही वजह है कि इस विफल सरकार के खिलाफ अब वहां भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में यूनुस ने अपना सारा दोष भारत पर मढ दिया है। हालांकि भारत के पास उन्हें जवाब देने के लिए ऐसे-ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिससे उनके होश उड़ सकते हैं।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है। जबकि उनकी सरकार के खिलाफ जनता द्वारा भी अविलंब चुनाव की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे मुल्क में तनाव का आलम व्याप्त हो चुका है। चूंकि इस विरोध प्रदर्शन में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। इसलिए अपनी उल्टी गिनती शुरू होते देख मोहम्मद यूनुस अपनी नाकामियों को बिना नाम लिए भारत पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वहां उनकी लापरवाही और अदूरदर्शिता से अब जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए 'विदेशी साजिश' को जिम्मेदार बता रहे हैं।

जबकि, हकीकत ये है कि उन्हें सिर्फ चुनाव करवाने तक के लिए सरकार चलाने भर की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन, जानकार बताते हैं कि वह चुनाव छोड़कर बाकी हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। बांग्लादेश की विदेश नीति, उसका संविधान, उसका इतिहास और यहां तक कि उसके जन्म की मूल अवधारणा तक को वो नकारने के लिए आत्मघाती दांव लगा रहे हैं। यही वजह है कि आज बांग्लादेशी फौज भी उनके विरोध में खड़ी हुई है।

ऐसे में यह कहना गलत न होगा कि मोहम्मद यूनुस जब से बांग्लादेश की सत्ता में आए हैं, भारत के चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के साथ झूम-झूम कर नाचने-गाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, उन्हें चीन के दम पर भारत के जिस भारत के चिकन नेक कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) को दबा पाने की गलतफहमी हो गई है, ग्रेटर बांग्लादेश बनवाने में विदेशियों व भारत के मुसलमानों के साथ मिलने का भ्रम हो चुका है, और लैंड लॉक्ड नार्थ ईस्ट के चलते समुद्र का बेताज बादशाह होने के जो सपने उन्होंने चीन को दिखाए हैं, तब उन्हें शायद यह अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि भारत के रणनीतिकार उनके साथ और उनके हमदम चीन-पाकिस्तान-म्यांमार के साथ क्या क्या कर सकता है।

शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है।

मसलन, संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर और पांचजन्य में गत रविवार को छपे उनके एक इंटरव्यू के मुताबिक उन्होंने भारत के पड़ोस में 'बुराई को खत्म' करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल करने की बात कही है, वह अब हमारी विदेश नीति का महत्वपूर्ण ध्येय बनने जा रहा है। उनके अनुसार जिन कुछ देशों में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वहां पर हिंदू समाज की ताकत का इस्तेमाल उनकी रक्षा के लिए किया जाना चाहिए। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए संघ के सर संघचालक ने ठीक ही कहा है कि, "हमारी ताकत अच्छे लोगों की रक्षा और बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए होनी चाहिए। जब कोई और चारा नहीं होता, तो बुराई को जबरदस्ती खत्म करना पड़ता है। इसलिए, हमारे पास शक्तिशाली बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर बुरी ताकतों की बुराई देख रहे हैं।"

हमारा तात्पर्य यह है कि शायद जो बात मोहन भागवत ने खुलकर नहीं कहा, उसे असम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर के दिग्गज बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने अधिक विस्तार से बताने की कोशिश की है, जो सराहनीय है। कुछ दिन पहले भी उन्होंने मोहम्मद यूनुस के भारत के चिकन नेक कॉरिडोर पर उनकी गलत नजर पर पलटवार करते हुए बांग्लादेश के पास भी दो चिकन नेक होने की जो बात कही थी, उससे बंगलादेश व उसके हमदमों का तिलमिलाना स्वाभाविक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ईरान में रहस्यमय ढंग से गायब हुए 3 भारतीय, परिवारों के संपर्क में दूतावास

(एजेन्सी)।

ईरान। ईरान में तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं, जिसके बाद भारत सरकार ने उनकी सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल राजनयिक संपर्क स्थापित किया है।

विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि लापता व्यक्तियों-जिनकी पहचान योगेश पंचाल, मोहम्मद सादिक और सुमीत सूद के रूप में हुई है। तीनों ने दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 की शुरूआत के बीच व्यापारिक उद्देश्यों के लिए ईरान की यात्रा की थी। एक्स पर एक बयान में भारतीय दूतावास ने कहा कि तेहरान को उनका पता लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

ईरान में भारतीय दूतावास ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि ईरान की यात्रा करने के बाद उनके रिश्तेदार लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हम दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में परिवार के सदस्यों को नियमित रूप से जानकारी दे रहे हैं।

योगेश पंचाल और सादिक ईरान के 15-दिवसीय वीजा छूट कार्यक्रम के तहत तेहरान पहुंचे, जिसका उद्देश्य पर्यटन और व्यापार आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना था। योगेश पंचाल ने हाल ही में सूखे मेवे और सेब में विशेषज्ञता वाली एक निर्यात फर्म की स्थापना की थी और ईरान में व्यावसायिक अवसरों की तलाश कर रहे थे।

तीनों लोगों के बारे में आखिरी बार पता चला था कि वे तेहरान के बहरेस्तान इलाके में रहते थे, लेकिन उनके पहुंचने के कुछ समय बाद ही उनसे संपर्क टूट गया। ईरान में लापता भारतीयों के परिवारों ने ईरानी सुरक्षा बलों द्वारा संभावित हिरासत की आशंका के चलते गंभीर चिंता व्यक्त की है।

पिछले एक महीने में सोने की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट

(एजेन्सी)।

पिछले एक महीने में सोने की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट देखने को मिली है। सोने की कीमत एक लाख रुपये छूने के बाद इसमें तेज गिरावट दर्ज हुई है। इसके बाद से ही सोने की कीमत में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। बुधवार को सोने की कीमत 10 ग्राम 100 रुपये नीचे गिर गई है, जिसके बाद सोना 97,480 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपये पर पहुंच गई है। मुंबई में चांदी की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलो की दर से ही बेची जा रही है। एमीसएक्स पर सोने की कीमत 0.42 प्रतिशत नीचे गिर गई है। अब 10 ग्राम सोना 96,014 रुपये के दाम पर बिक रहा है और चांदी की कीमत 98,090 प्रति किलो पर पहुंच गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना खरीदने के लिए 97,620 रुपये का भुगतान करना होगा और 22 कैरेट सोना खरीदने के लिए 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम राशि देनी होगी। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये और 22 कैरेट सोना 89,400 रुपये में बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में 24 कैरेट सोना 97,530 रुपये और कैरेट सोना 89,400 रुपये में बिक रहा है।

वहीं हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये में बिक रहा है। चेन्नई में 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये जबकि 24 कैरेट सोना 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम में बेचा जा रहा है। बेंगलुरु में 22 कैरेट सोना खरीदने के लिए 97,480 रुपये का भुगतान करना होगा।

राफाह में आटा-चावल लेने के लिए उमड़ी लाखों की भीड़, सहायता केंद्र पर किया हमला

(एजेन्सी)।

इजरायल हमास युद्ध की वजह से गाजा के भीतर लाखों फिलिस्तीनी दाने दाने को मोहताज हो गए हैं। 18 मार्च 2025 को जब इजरायल और हमास के बीच सीजफायर टूटा तो इजरायल ने गाजा का राशन पानी से लेकर सबकुछ बंद कर दिया। नेत्याहू के इस एक्शन की वजह से गाजा के भीतर लाखों बच्चे भुखमरी के कगार पर आ गए। गाजा के भीतर फिलिस्तीनी भूख प्यास से तड़प रहे हैं। इजरायल ने करीब 11 हफ्तों से गाजा के भीतर खाने पीने की चीजों पर बैन लगा दिया था। लेकिन अब एक बार फिर अमेरिका द्वारा समर्थिक मानवीय सहायता के तहत गाजा के भीतर खाने पीने की चीजें भेजी गई हैं। जैसे ही गाजा के भीतर राफाह में ये मदद पहुंची। लाखों लोगों की भीड़ खाने पीने के पैकेट लेने के लिए उमड़ पड़ी।

गाजा में भुखमरी से हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि अब लोगों की भीड़ सहायता केंद्रों पर ही हमला कर रही है। अमेरिका के समर्थन वाले फाउंडेशन द्वारा स्थापित एक नए सहायता वितरण केंद्र पर उमड़ी भीड़ पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। फलस्तीनियों की भीड़ ने सहायता वितरण केंद्र पर कब्जा कर लिया था। भीड़ ने बाड़ों को तोड़ दिया और एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने इजराइल के टैंक से गोलाबारी और गोलीबारी की आवाज सुनी तथा एक सैन्य हेलीकॉप्टर से गोलीबारी होते देखी। अभी यह ज्ञात नहीं है कि गोलीबारी में इजराइली सेना शामिल है या निजी सुरक्षा गार्ड अ

पवन कुमार टीनू ने पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक के चेयरमैन के तौर पर पद संभाला

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। दो बार के विधायक, पवन कुमार टीनू ने यहाँ पंजाब राज्य कृषि विकास बैंक के चेयरमैन के तौर पर औपचारिक तौर पर पद संभाल लिया। इस समागम में पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, अमन अरोड़ा और बरिन्दर कुमार गोयल और संसद मैंबर मलविन्दर सिंह कंग ने शिरकत की।

कैबिनेट मंत्रियों और संसद मैंबर ने पवन कुमार टीनू को उनकी नियुक्ति पर दिल से बधाई दी। उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि जनता की सेवा का उनका व्यापक तजुर्बा चेयरमैन के तौर पर उनकी जिम्मेदारियों को निभाने में सहायक होगा। कैबिनेट मंत्रियों ने पंजाब की कृषि की रीढ़ की हड्डी-इसके किसानों और मजदूरों-की सहायता में पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और विश्वास प्रकट किया कि चेयरमैन टीनू उनकी भलाई को प्राथमिकता देंगे।

पद संभालने के मौके पर पवन कुमार टीनू ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और 'आप' सुप्रीमो अरविन्द केजरीवाल का उनको यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने अपने फर्जों को पूरी लगन और वचनबद्धता के साथ निभाने का वायदा किया और कहा कि उनसे की गई उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए वह यत्नशील रहेंगे। उन्होंने इस मौके पर पहुँचने के लिए कैबिनेट मंत्रियों और संसद सदस्य का विशेष तौर पर धन्यवाद किया। इस मौके पर बधाई देने वालों में पंजाब पर्यटन और सांस्कृतिक मामले विभाग के सलाहकार दीपक बाली, सफाई कर्मचारी कमीशन पंजाब के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल, जालंधर के सीनियर डिप्टी मेयर बलवीर सिंह ढिल्लों, जालंधर इम्परूवमैंट ट्रस्ट के चेयरपर्सन राजविन्दर कौर ठ्याड़ा और गुरचरन सिंह चन्नी शामिल थे।

हरियाणा सरकार ने लगाए 8 विभागों के लिंक अधिकारी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे, चुनाव ड्यूटी अथवा स्थानान्तरण या सेवानिवृत्ति के चलते या किसी अन्य कारण से प्रशासनिक सचिवों की अनुपस्थिति में सम्बन्धित विभागों के कामकाज का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 8 विभागों के लिंक अधिकारी नियुक्त किए हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के मामले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और स्कूल शिक्षा विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 लगाया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग के मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 लगाया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग के मामले में उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 लगाया गया है।

आयुष विभाग के मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और खेल विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 लगाया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के मामले में आयुष विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, खेल विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 नियुक्त किया गया है।

युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के मामले में खेल विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, आयुष विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 लगाया गया है।

खेल विभाग के मामले में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-1, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-2 और आयुष विभाग के प्रशासनिक सचिव को लिंक ऑफिसर-3 नियुक्त किया गया है।

द्वितीय नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत आज होगा 'ऑपरेशन शील्ड' का आयोजनः डीसी

'जिला में रात 8 से 8:15 बजे तक होगा ब्लैकआउट'

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से नागरिक सुरक्षा नियम 1968 की धारा 19 के तहत गुरुवार, 29 मई को सायं 5 बजे से द्वितीय नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत 'ऑपरेशन शील्ड' आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। हरियाणा सरकार की ओर से भी 29 मई को शाम 5 बजे से पूरे राज्य में 'ऑपरेशन शील्ड' नाम से सिविल डिफेंस एक्सरसाइज कराने का निर्णय लिया है। यह सिविल डिफेंस एक्सरसाइज जिला करनाल में सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय करनाल में आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य आपात स्थिति में तैयारी और रिस्पॉन्स को बेहतर बनाना है।

डीसी उत्तम सिंह ने सम्बंधित अधिकारी से बातचीत करते हुए बताया कि गृह मंत्रालय व हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार 'ऑपरेशन शील्ड' के दौरान आपातकालीन और महत्वपूर्ण सेवाओं को छोड़कर महत्वपूर्ण आवासीय क्षेत्रों (वीए) और महत्वपूर्ण बिंदुओं (वीपी) से सटे क्षेत्रों में रात 8 बजे से लेकर 8.15 बजे तक ब्लैकआउट का अभ्यास भी किया जाएगा जिसमें जिलावासी स्वेच्छा से ब्लैक आउट अभ्यास में भागीदार बनेंगे। साथ ही 'ऑपरेशन शील्ड' के दौरान सायरन की सक्रियता की जांच सहित अन्य विभिन्न प्रकार की गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि देशभर में आपात स्थिति में तैयारी और रेस्पॉन्स को परखने के लिए गत 7 मई को प्रथम मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था।

भाजपा सरकार में बेलगाम हुआ नशा माफिया युवाओं को अंधकार की ओर धकेल रहाः कुमारी सैलजा

'सरकार के तमाम दावों के बावजूद फिर क्यों शहर-शहर, गांव-गांव बिक रहा है नशा'

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते नशा माफिया पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। जिसके कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा चुकी है। नशे के ज्यादा आदी हो जाने के बाद से चोरी, लूटपाट, मारपीट जैसी घटना लगातार बढ़ती जा रही है। नशे की पूर्ति के लिए युवा चोरी, छीना झपटी और लूट में लगे हुए है। सरकार लापरवाही बरतकर युवाओं के भविष्य को भी अंधकार में धकेल रही है। नशा रोकने के लिए सरकार ने कई सेल गठित किए है, बावजूद इसके फिर क्यों शहर-शहर, गांव-गांव नशा बिक रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि पहले तो नशा पंजाब के साथ लगते जिलों तक ही सीमित था पर आज करीब करीब पूरा प्रदेश ही इसकी गिरफत में आ चुका है। शहर तो शहर गांवों की रगों में नशा बसता जा रहा है। नशे की जड़ें मजबूत होती जा रही हैं। कभी चोरी छिपे बिकने वाले नशे का सामान, आज धड़ल्ले से बिक रहा है। स्मैक के धुएं से जवानी सुलग रही और नशीले इंजेक्शन नशों में उतारे जा रहे हैं। सुनसान स्थानों पर स्मैक और नशीले इंजेक्शन लगाते देखे जा सकते हैं। नशे के आदी युवाओं की बबार्दी का मंजर खुलेआम शहर में चलता जा रहा है।

वही शहर में सबसे ज्यादा युवाओं के अंदर स्मैक का नंशा फैल रहा है। जो युवाओं के परिवारों को बबार्दी की ओर ले जा रहा है। स्कूल और कॉलेज में पढ़ रहे कई छात्र नशेडियों के चंगुल में फंस जाते हैं। शुरू में इन्हें शौक के लिए स्मैक का नशा कराया जाता है। बाद में यह नशा छात्रों के जेहन में इतना उतर जाता है कि वे इसके आदी हो जाते हैं। स्मैकियों में महाविद्यालय के कई छात्र भी शामिल है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा ऐसा जिला है जहां हर माह नशे से कोई न कोई युवा दम तोड़ता है, रोडी क्षेत्र में स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। फतेहाबाद जिला भी नशे की गिरफत में है। हांसी में, नशे की भयावह स्थिति दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। मात्र तीन दिनों में तीन युवाओं की नशे की ओवरडोज से मौत यह दशार्ती है कि प्रदेश में नशा माफिया पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। हर मृतक के पास से सिरिंज का मिलना और उनका खुलेआम लावारिस हालत में मिलना न केवल शासन की नाकामी को उजागर करता है, बल्कि यह सरकार की संवेदनहीनता का भी प्रमाण है।

सांसद ने सरकार से अनुरोध किया है कि नशा माफिया पर तत्काल कठोर और निर्णायक कार्रवाई की जाए, नशा वितरण और खपत की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, मृतकों के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, युवाओं को नशे से बचाने के लिए नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए।

पीडित परिवार भाजपा सरकार से पूछ रहा है कि क्यों उनके बच्चे नशे की चपेट में आ रहे हैं और क्यों सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

सुपर मॉम्स प्रतियोगिता ने बढाया मनोबल, नौकरीपेशा व घरेलू महिलाओं ने भी दिखाया हुनरः डॉ. हरजीत कौर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन व कल्याण संतोष चैरिटेबल सोसायटी के तत्वाधान में यूनिवर्सल इवेंट प्लानर द्वारा चंडीगढ़ में जो यह सुपर मॉम्स नामक अनोखी थीम के साथ आयोजन करवाया गया इस आयोजन ने नौकरी पेशा व घरेलू महिलाओं का मनोबल ही नहीं बढ़ाया बल्कि उन्हें एक सीख भी दी है कि वह अपने काम के साथ-साथ अपने हुनर को पहचान व सपनों को पूरा कर सकती हैं।

कृषि मंत्री ने खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि के लिए पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री चौहान की सराहना की

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने 2025-26 विपणन सीजन के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में उल्लेखनीय वृद्धि को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से केंद्र सरकार की किसानों के कल्याण और भारत के कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की अटूट प्रतिबद्धता झलकती है। श्री राणा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि एमएसपी में वृद्धि हरियाणा और पूरे देश के किसानों को पर्याप्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह फैसला मोदी सरकार की हमारे मेहनती किसानों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पंजाब के मुख्य सूचना कमिशनर द्वारा हरियाणा के नव-नियुक्त मुख्य सूचना कमिशनर को शुभकामनाएँ

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य सूचना कमिशनर (सी. आई. सी.) इन्दर पाल सिंह धन्ना ने आज हरियाणा के नव-नियुक्त मुख्य सूचना कमिशनर टी. वी. एस. एन. प्रसाद, आई. ए. एस. (सेवामुक्त), पूर्व मुख्य सचिव, हरियाणा के साथ चंडीगढ़ में उनके निवास स्थान पर मुलाकात की।

सी. आई. सी. इन्दर पाल सिंह धन्ना, जिनके साथ राज्य सूचना कमिशनर सन्दीप सिंह धालीवाल, वरिन्दरजीत सिंह बिलिंग, हरप्रीत सिंह संधू, डा. भुपिन्दर सिंह बाठ और पूजा गुप्ता मौजूद थे, ने हरियाणा के अपने समकक्ष को शुभकामनाओं के प्रतीक के तौर पर भारत के राष्ट्रीय पक्षी की एक सुंदर चित्र-कला भेंट की। बताने योग्य है कि यह चित्र-कला हरप्रीत संधू द्वारा बनाई गई है।

पंजाब और हरियाणा के मुख्य सूचना कमिशनरों ने सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया में सुधार लाने और आरटीआइ मामलों में लम्बित मामलों की दर को घटाने के लिए शिक्षा और अन्य जरूरी अभ्यासों के आदान-प्रदान की महत्ता पर जोर दिया।

शोक संवेदना व्यक्त किया गया

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। जनता दल यूनाईटेड के मजबूत स्तंभ, 1974 आंदोलनकारी, वरिष्ठ नेता तेघड़ा प्रखंड के बजलपुरा गांव वार्ड 14 के निवासी शिवनंदन सिंह उर्फ पाली सिंह के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त होने पर उनके अवास पर पहुंचे जदयू के पूर्व एमएलसी सह जिला अध्यक्ष रुदल राय, जदयू के पूर्व एमएलसी सह प्रदेश महासचिव भूमिपाल राय, बेगूसराय जिले के चर्चित ऑथोर्पेडिक सर्जन सह जदयू के प्रदेश सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. प्रवीण कुमार, जिला उपाध्यक्ष श्रीदेव कुमार, रामनरेश सिंह, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह उर्फ भासो, मीडिया सेल के जिला अध्यक्ष मोनू पटेल, तेघड़ा प्रखंड जदयू के अध्यक्ष सह 20 सुत्री अध्यक्ष चंदन कुमार, बरौनी प्रखंड अध्यक्ष शंभू सिंह, महासचिव सह प्रवक्ता अविनाश कुमार, किसान सेल के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष राजेश चौधरी, राजकिशोर मिश्र उर्फ पप्पू बाबा, जदयू के तेघड़ा नगर अध्यक्ष हीरालाल महतो, एवं पार्टी के उपस्थित कार्यकर्ताओं के द्वारा झंडा एवं फूल माला देकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

वरिष्ठ आयकर अधिकारियों ने किया करनाल का दौरा

पौधारोपण कर की दौरे की शुरूआत, हितधारकों के साथ की बैठक

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। आउटरीच पहल के तहत हरियाणा क्षेत्र (पंचकूला) की मुख्य आयकर आयुक्त विदिशा कालरा और रोहतक की प्रधान आयकर आयुक्त ज्योत्सना जौहरी ने आयकर कार्यालय, करनाल रेंज का दौरा किया।

संयुक्त आयुक्त हर्षित बंसल और उनकी टीम ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। दौरे की शुरूआत पौधारोपण अभियान से हुई, जहां नीम और बरगद के पौधे लगाए गए, जो स्थिरता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पांच जिलों-सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और कैथल के चार्टर्ड अकाउंटेंट, कर पेशेवरों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

ज्योत्सना जौहरी ने क्षेत्र की व्यावसायिक प्रोफाइल और करनाल रेंज के प्रदर्शन का अवलोकन प्रस्तुत किया। प्रधान आयुक्त (एयू), करनाल सुरेन्द्र पाल ने भी प्रमुख परिचालन अंतर्दृष्टि साझा की। बैठक में विदिशा कालरा ने पारदर्शी और मजबूत कर पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया और राष्ट्र निर्माण में समय पर और सटीक कर भुगतान, विशेष रूप से अग्रिम कर, के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभाग की उन्नत सूचना प्रणालियों पर प्रकाश डाला जो अनुपालन व्यवहार को नया रूप दे रही हैं। सत्र ने रचनात्मक संवाद और एक जिम्मेदार कर संस्कृति के लिए आपसी प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया।

इस मौके पर आयकर विभाग से जुड़े अधिकारीगण उपस्थित थे।

केंद्र व राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धः सरोज बंसल

संजना भारती संवाददाता

टोंक। कार्यशाला में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। वृद्धजन पेंशन योजना के माध्यम से टोंक जिले में 1 लाख 25 हजार 148 पेंशनरों को लाभान्वित किया जा रहा है। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना 16 हजार 909 बुजुर्गों के जीवन का महत्वपूर्ण सहारा बनी है। सरकार हर जरूरतमंद व्यक्ति का ध्यान रख उसे समाज की मुख्य धारा से जोड़े रखने में सहायता कर रही है।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि बुजुर्ग भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। बुजुर्गों का अनुभव और ज्ञान परिवार की अनमोल धरोहर है। बुजुर्गों की सलाह और मार्गदर्शन को महत्व देना चाहिए। चौहान ने कहा कि बुजुर्गों के सानिध्य में बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर ढंग से हो पाता है। उम्र के इस अंतिम पड़ाव पर युवा पीढ़ी को वृद्धजनो की सेवा करनी चाहिए। अतिथियों ने जिले के विभिन्न उपखंडों से आए वृद्धजनों का माला पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही, उनको सहायक उपकरण वितरित किए। कार्यशाला में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. भरत लाल बैरवा एवं योग प्रशिक्षक सत्यनारायण नामा ने शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए योग व ध्यान के बारे में बताया। पुलिस विभाग से आए अधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को लेकर उनके अधिकारों एवं कानून की जानकारी दी। बैंक से आए अधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय योजना और डिजिटल साक्षरता के बारे में विस्तार से बताया। मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार ने किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक करतार सिंह मीणा ने कहा कि सरकार गरीब, असहाय और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है।

आमजन को जागरूक रहकर इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। साथ ही, अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी इन योजनाओं की जानकारी देकर उनकी मदद करनी चाहिए। कार्यशाला में बाल अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक नवल खान, पीआरओ अपूर्व शर्मा, जनसंपर्क कर्मी रिजवान अनीस, तरुण टिक्कीवाल एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

करनाल के खरबूजे पूरे भारत में चीनी की मिठास को भी करते फेल

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। करनाल के शामगढ़ के मशहूर मीठे खरबूजे, चीनी की मिठास को भी फेल करते हैं। पिछले 30 सालों से शामगढ़ गांव मेंखरबूजों की खेती होती हैं। खरबूजे विक्रेता करमबीर ने बताया शामगढ़ के खरबूजों ने हमारे गांव का भविष्य बना दिया है। कई सालों से किसान अपने खेतों में खरबूजे की खेती कर रहे हैं। हमारे दादा और पिता भी खरबूजों की खेती करते थे हमारी तीसरी पीढ़ी खरबूजों की खेती कर रही है और यहां पर खरबूजे बेच रहे हैं। इसकी वजह से किसानों और मजदूरों का रोजगार मिल रहा है।

कई राज्यो से यहां से लोग स्पेशल हाइवे से गुजरते समय हमारे गांव शामगढ़ से खरबूजा जरूर अपने साथ लेकर जाते हैं। हमारा पूरा परिवार खरबूजों की खेती करता है।यहां का खरबूजा मिश्री से भी मीठा खरबूजा है यहां का मधु खरबूजा मधु रस खरबूजे का नाम है। हमारे दादा और पापा भी यही मधु खरबूजा लगाते थे। **दिल्ली में भी मशहूर है खरबूजेः** अन्य खरबूजे विक्रेता रोहताश कुमार ने बताया शामगढ़ का मशहूर देसी मधु खरबूजा है खाने में सबसे ज्यादा लोग इस खरबूजे को पसंद करते हैं ।दिल्ली में भी शामगढ़ के खरबूजे काफी मशहूर है। उन्होंने बताया जब से मैने होश संभला है तब से में खरबूजों की खेती अपने घर वालो के साथ करता था और अब यहां खेतो के खरबूजे यहां बेच रहा हूं। वही हाईवे से गुजरते ओम नाम का व्यक्ति जो खरबूजे खरीदने के लिए पहुँचे थे उन्होंने बताया यहां का खरबूजा काफी मशहूर खरबूजा है और मीठा भी खरबूजा है।लेकिन मंडी की बजाय यहां पर कुछ रेट ज्यादा है बाकी खरबूजा काफी मीठा होता है। खरबूजे का टेस्ट और क्वालिटी काफी अच्छी होती है।

युद्ध नशों विरुद्ध का 88वां दिनः राज्य भर में 126 रेलवे स्टेशनों की चैकिंग की; 141 नशा तस्कर काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए चलाई गई मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को लगातार 88वें दिन जारी रखते हुये पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर के 126 रेलवे स्टेशनों पर घेराबन्दी और तलाशी मुहिम चलाई।

यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों पर सभी 28 पुलिस जिलों में चलाया गया। इस राज्य स्तरीय आपरेशन की निजी तौर पर निगरानी कर रहे स्पैशल डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने कहा कि इस आपरेशन को सफल बनाने के लिए सभी सीपीज/ एसएसपीज को सुपरडैंट आफ पुलिस (एसपी) रैंक के अधिकारियों की निगरानी अधीन भारी पुलिस बल तैनात करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि राज्य भर के लगभग 126 रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए इस आपरेशन के दौरान लगभग 1332 लोगों की जांच की गई। उन्होंने आगे बताया कि इस दौरान पूछताछ के लिए 9 शक्की व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया गया।

इसके इलावा पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम जारी रखते हुये आज 530 स्थानों पर छापेमारी की जिसके चलते राज्य भर में 90 एफआईआरज दर्ज की गई और 141 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया गया। इससे 88 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए नशा तस्करों की कुल संख्या 14099 हो गई है। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि छापेमारी के नतीजे के तौर पर गिरफ़्तार किये गए नशा तस्करों के पास से 959 ग्राम हेरोइन, 2 किलो अफीम और 3.4 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि 85 गजटिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1500 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 368 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में छापेमारी की और दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान 592 शक्की व्यक्तियों की जांच की।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा व्यापक रणनीति तैयार की गई है और राज्य में से नशों की बुराई के खात्मे तक ऐसे आपरेशन जारी रहेंगे।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति-इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी)-लागू की गई है और पंजाब पुलिस द्वारा इस रणनीति के डी-एडिकशन के हिस्से के तौर पर 76 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए प्रेरित किया गया है।

हरियाणा सरकार की 'मिशन बुनियाद' योजना प्रदेश के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों का संवार रही है भविष्य

बुनियाद कार्यक्रम के अंतर्गत 9वीं कक्षा के चौथे बैच की कक्षाएं हरियाणा के 103 केंद्रों पर एक साथ आरंभ हुईं

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल/कुरुक्षेत्र/गुड़गांव। हरियाणा सरकार की सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए विशेष योजना "मिशन बुनियाद" योजना सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों का भविष्य संवार रही है। गरीब व मध्यम वर्गीय परिवार के विद्यार्थी मैडिकल, नोन-मैडिकल, निट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

हरियाणा सरकार व विकल्प फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से हरियाणा प्रदेश के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी "मिशन बुनियाद" व "सुपर सौ" के माध्यम से देश के टॉप के शिक्षण संस्थानों से एमबीबीएस, आईआईटी कर रहे हैं। पहले व दूसरे बैच के विद्यार्थी आईआईटी की शिक्षा पूर्ण कर ऊंचे पैकेज पर देश की नामी-गिरामी कम्पनियों, संस्थानों में सेवा कर रहे हैं। हरियाणा के तात्कालिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल व वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कुशल शिक्षा नीति के बिना यह सम्भव नहीं था।

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी

कक्षा 9वीं के चौथे बैच 2025-26 की सफल शुरूआत गत मंगलवार, 27 मई को प्रदेश स्तर पर हो चुकी है। मिशन बुनियाद कार्यक्रम के अंतर्गत 9वीं कक्षा के चौथे बैच की कक्षाएं हरियाणा के 103 केंद्रों पर एक साथ आरंभ हुईं। इस अवसर पर सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) तथा केंद्र प्रमुख उपस्थित रहे। इस प्रथम दिन छात्रों को प्रेरित करते हुए उन्हें बताया गया कि किस प्रकार मिशन बुनियाद की यह पहल उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण प्रदान करेगी और आगे चलकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि हरियाणा "सुपर 100" में चयनित "मिशन बुनियाद" के पूर्व छात्र-छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने नए विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें यह समझाया कि आने वाली चुनौतियों का कैसे सामना करना है और अपने लक्ष्य की दिशा में कैसे सतत प्रयास करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर विकल्प फाउंडेशन के संस्थापक एवं हरियाणा "सुपर सौ"मत के डायरेक्टर नवीन कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को न केवल हरियाणा सरकार की ओलंपियाड योजना की जानकारी दी, बल्कि गणित जैसे विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को सत्य के मार्ग पर चलने और उसे अपने जीवन व अध्ययन दोनों में अपनाने का संदेश भी दिया।

नवीन मिश्रा डायरेक्टर विकल्प फाउंडेशन व सुपर सौ, योजनाकार मिशन बुनियाद

कार्यक्रम में हरप्रीत कौर, संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, हरियाणा सरकार भी ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों से जुड़ीं। उन्होंने मिशन बुनियाद की उपयोगिता, इसके माध्यम से मिलने वाले अवसरों और आत्म-अध्ययन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि यदि वे ईमानदारी से मेहनत करें तो उनका भविष्य उज्ज्वल और सशक्त होगा। यह शुभारंभ विद्यार्थियों के लिए एक नई प्रेरणा और दिशा लेकर आया है। आने वाले दिनों में यह पहल राज्य के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी सोच विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

हरप्रीत कौर, संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, हरियाणा सरकार

'डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पेय व ओआरएस का घोल जरूरी'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। बढ़ती गर्मी एवं तपिश के बीच सिप्ला हेल्थ द्वारा करनाल विधायक जगमोहन आनंद के निर्देशानुसार करनाल जिला स्वास्थ्य विभाग को अस्पताल में आने वाले मरीजों को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिप्ला प्रोलाइट ओ. आर. एस का वितरण किया गया।

कंपनी के अधिकारियों ने करनाल विधायक जगमोहन आनंद के साथ मुलाकात कर इस नेक कार्य की शुरूवात की। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि कंपनी द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में यह सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। इससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को गर्मी में राहत मिलेगी।

कम्पनी के अधिकारी कुणाल अरोड़ा, सुरेंद्र कुमार, वरुण वशिष्ठ एवं डिस्ट्रीब्यूटर ललित आनंद एवं आनंद मोहन ने बताया की गर्मी में सबसे अधिक डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि तरल पेय व ओआरएस का घोल लेते रहे। ओरल डिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) की मदद से दस्त के दौरान शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को पूरा करता है। अधिक पसीना आने की स्थिति में भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा संतुलित रखने के लिए ओआरएस का घोल दिया जाता है। गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों से सावधानी से बचा जा सकता है। बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। पानी की कमी होने से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। कंपनी के अधिकारियों ने सिप्ला प्रोलाइट ओ. आर. एस के पैकेट स्वास्थ्य विभाग को सुपुर्द किए।

सैनिक गुरमीत सिंह का राजकीय सम्मान के साथ किया अंतिम संस्कार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। गांव करोड़ा निवासी व भारतीय सेना की 20 ग्रेनेडियर रेजिमेंट में तैनात सैनिक गुरमीत सिंह (27 वर्षीय) का बीमारी के चलते निधन हो गया। बुधवार को सेना की टुकड़ी उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर गांव में पहुंची, जहां पूरे गांव के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सैनिक गुरमीत सिंह के भाई संदीप ने उन्हें मुखाग्नि दी। जिला प्रशासन की ओर से कैथल एसडीएम अजय सिंह अंतिम संस्कार में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

उनके भाई संदीप ने बताया कि उनके भाई गुरमीत सिंह गत 2017 में सेना में भर्ती हुए थे। ड्यूटी के दौरान उनकी तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद अस्तपाल में उनका ईलाज चल रहा था। गत 27 मई को उन्होंने दिल्ली के अस्पताल में अंतिम सांस ली। गुरमीत अविवाहित थे। परिवार में माता माया देवी व पिता राजाराम तथा दो भाई बहन हैं। अंतिम संस्कार में गांव सहित जिले भर से भारी संख्या में लोगों ने जवान गुरमीत सिंह को भावभीनी विदाई दी। वहीं सेना के जवानों ने सलामी दी। इस मौके पर पूर्व सैनिक एसोसिएशन के सदस्य, सेना के अधिकारी, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने अंतिम यात्रा में पहुंचकर श्रद्धाजंलि दी।

वीर सैनिक के अंतिम दर्शन करने न केवल गांव बल्कि आसपास के गांव, खंड, तहसील, जिला के लोग उमड़ पड़े। तिरंगे में लिपटे हुए भारत मां के सपूत का पार्थिक शरीर पहले उसके घर पर ले जाया गया। हिंदू रीति रिवाज अनुसार प्रक्रिया पूरी करने के बाद पूरे जन समूह के साथ गांव के श्मशान घाट में लाया गया।

विधायक पूण्डरी की तरफ से उनके भाई गुलाब ने रीट चढ़ाई और सभी पूर्व सैनिकों ने फूल मालाओं व पुष्प अर्पित करके अपने जांबाज को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि के बाद एसडीएम अजय कुमार जांगड़ा एचसीएस, एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी व सूबेदार विजय सिंह ने ग्रेनेडियर के पिता राजा राम व भाई संदीप को तिरंगा भेंट किया। अंबाला से पहुंची गार्ड ने सैन्य सम्मान में सलामी दी। जन समूह की आंखें नम थी। वीर सैनिक के भाई संदीप ने चिता को मुखाग्नि दी।

शमशान घाट ही नहीं पूरा गांव 'भारत माता की जयकारों' से गूंज उठा।

प्रशासन की ओर से एसडीएम अजय सिंह ने दी श्रद्धांजलि

एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी ने पत्रकारों को बताया कि भारत के हर सैनिक का यह सपना होता है कि देश सेवा करते हुए, युद्ध के मैदान में वह तिरंगा दुश्मन की छाती में गाड करके आए या तिरंगे में लिफ्ट करके घर वापिस आए। इसी सपने को लेकर एक आम युवक सेना में भर्ती होता हैं। हम उन्हीं साथियों को भाग्यशाली समझते हैं। बाकी देश सेवा तो हम सब देकर आए हैं। यहां पर करोड़ा, पाई, भाना, रामना रामानी बाकल, सेरदा, पुंडरी, सभी आस पास के गांव से, पुण्डरी प्रधान गोपीचंद बनवाला, ढाण्ड प्रधान सूबेदार उदयभान शर्मा, पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह ढुल पाईं, जिला एसोसिएशन से हवलदार मदन सिंह चहल व सूबेदार बलबीर सिंह माजरा, हवलदार कर्ण सिंह सरपंच के नेतृत्व में सैकड़ों पूर्व सैनिक और हजारों की संख्या में, मातृशक्ति और बच्चों ने अपने इस लाल को अंतिम विदाई दी।

गांव सालवन में राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह की तैयारियां पूरी: उपायुक्त

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे समारोह को संबोधित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि करनाल जिला के सालवन गांव की अनाज मंडी में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे तथा समारोह को संबोधित करेंगे।

उपायुक्त बुधवार को करनाल जिला के गांव सालवन में राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोह की तैयारियों के संदर्भ में समारोह स्थल पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इस मौके पर उनके साथ असंध के विधायक योगेंद्र राणा, पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया, एसडीएम असंध राहुल भी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने बताया कि इस समारोह में आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। कार्यक्रम में पीने के पानी, शौचालयों और प्राथमिक चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वाहनों के लिए पार्किंग स्थलों का निर्धारण कर दिया गया है और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि आम जनता के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की गई है और पोर्टेबल शौचालय स्थापित किए गए हैं, आगंतुकों के बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सियों की व्यवस्था की गई है, रैली स्थल पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, मीडिया कर्मियों की सुविधा के लिए मीडिया गैलरी बनाई गई है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि समारोह में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए तथा संबंधित विभाग के अधिकारी अपने-अपने कर्मचारियों की ड्यूटियां संबंधित स्थान पर लगा दें ताकि किसी प्रकार की कोई कमी न रहे।

इस मौके पर असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने बताया कि सालवन गांव की अनाज मंडी में करीब साढ़े 4 एकड़ में जर्मन तकनीक का टेंट लगाया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह में कई हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था की गई है। समारोह का प्रसारण आमजन के लिए लाईव किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर भी वीडियो स्क्रीन की व्यवस्था भी की गई है, ताकि पंडाल में बैठे सभी लोगों को कार्यक्रम बेहतर तरीके से दिखाई दे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर 4 मंच बनाए गए हैं। जिसमें मुख्य मंच, अन्य विशिष्ट मेहमानों के लिए दो वीआईपी मंच बनाए गए हैं। इसके साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एक कल्चरल मंच बनाया जा रहा है। कार्यक्रम की कवरेज के लिए मीडिया गैलरी भी बनाई गई है।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने बताया कि समारोह स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं तथा डीएसपी स्तर के अधिकारी नोडल अधिकारी लगाए गए हैं। यातायात बाधित न हो इसके लिए भी व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

एचडीएफसी बैंक राजौंद द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजन

स्कूल प्रिंसिपल ने बैंक प्रबंधक राहुल राणा का किया धन्यवाद

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। राजौद के असंध मार्ग पर स्थित बिरला ओपन माइंड्स इंटरनैशनल नीजि स्कूल में स्थानीय एचडीएफसी बैंक शाखा राजौंद द्वारा बैंकिंग और धन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय विद्यार्थी प्रशिक्षण शिविर का कुशल आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व शाखा प्रबंधक राहुल राणा ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को आधुनिक बैंकिंग प्रणाली, डिजिटल लेन-देन, बचत के उपाय, निवेश की रणनीतियाँ और साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राणा ने बताया कि बदलते समय के साथ-2 आम नागरिकों का बैंकिंग से जुड़ाव बढ़ा है, लेकिन सही जानकारी की कमी के कारण कई बार लोग ठगी का शिकार भी हो जाते हैं। उन्होंने लोगों को यूपीआई, नेट बैंकिंग, और मोबाइल बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न भी पूछे, जिनका बैंक प्रबंधक ने सरल भाषा में जवाब दिया। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार सही वित्तीय योजना बनाकर भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को बैंकिंग के प्रति जागरूक करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। बैंक प्रबंधक राहुल राणा ने बताया कि विद्यार्थियों ने बैंकिंग संबंधी विषयों, लेन-देन, वित्तिय कार्यकलाप में रुचि दिखाई। विद्यार्थियों में जानने व सिखाने का विशेष जज्बा होता है। शिविर में सभी स्टाफ सदस्य, एचडीएफसी बैंक से विकास, कुलदीप सिंह उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया और बैंक प्रबंधक राहुल राणा द्वारा सरल भाषा में बताई गई बैंक कार्य प्रणाली की सराहना की। स्कूल प्रिंसिपल ने कहा कि आज का विद्यार्थी कल का आदर्श नागरिक है। विद्यार्थी काल में ही भारत के हर युवा को भविष्य में आने वाली चुनौतियों किए व किए जाने वाले कार्यों का भली प्रकार से प्रशिक्षण ले लेना चाहिए। उसी कड़ी में आज स्कूल में शाखा प्रबंधक को विशेष प्रार्थना पर बुलाकर विद्यार्थियों को बैंकिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के चौमुखी विकास के लिए शिक्षण के साथ-साथ अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं व भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

12 जून तक 135 गांवों में चलेगा कृषि विकसित संकल्प अभियान: उपनिदेशक डॉ. बाबू लाल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ.बाबू लाल ने बताया कि केन्द्र और प्रदेश सरकार मिलकर 29 मई से 12 जून तक कैथल जिले के 135 गांवों में विकसित संकल्प अभियान चलाएगी। इस अभियान का मकसद किसानों को खेती से जुड़ी नई जानकारी, तकनीक और सरकारी योजनाओं से अवगत करवाना है। इसके अतिरिक्त खरीफ सीजन की पैकेज व प्रैक्टिस के बारे में भी किसानों को बताया जाएगा। इससे किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अभियान के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवनी, पशु पालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग के अधिकारी गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे वे खेती, बागवानी, पशु पालन, डेयरी और मत्स्य पालन से जुटी योजनाओं की जानकारी देंगे। हर दिन तीन टीमें नौ गांवों का दौरा करेगी। अभियान की निगरानी राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अधिकारी करेंगे।

खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि किसानों के लिए ऐतिहासिक फैसला: वंदना पोपली

संजना भारती संवाददाता

रेवाडी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। उक्त जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने बताया कि खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि करने से किसानों में खुशी की लहर है।

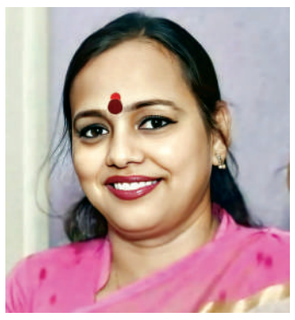

वंदना पोपली ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि कर एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि हमारी सरकार केवल वादे नहीं करती, बल्कि किसानों के कल्याण हेतु ठोस निर्णय लेती है। जब विपक्ष केवल ट्विटर और टीवी डिबेट पर 'किसान प्रेम' दिखाने में व्यस्त रहता है, तब हमारी सरकार खेतों की मिट्टी से जुड़े फैसले जमीन पर उतार रही है। (एमएसपी) में यह बढ़ोतरी करोड़ों किसानों की मेहनत को सम्मान देने के साथ-साथ उनके आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करती है।

जहां एक ओर कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के समय (एमएसपी) को 'राजनीतिक शिगूफा' बना देते हैं, वहीं भाजपा सरकार ने यह दिखाया है कि किसानों का हित केवल नारों से नहीं, नीयत और नीति से सुरक्षित होता है। हम विपक्ष के उन नेताओं को आमंत्रित करते हैं जो खुद को किसान हितैषी कहते हैं- आइए, खेतों में आइए और देखिए कि 'ड्राइंग रूम पॉलिटिक्स' से नहीं बल्कि 'ग्राउंड लेवल गवर्नेंस' से देश बदलता है।

यह निर्णय ना केवल किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में एक और मील का पत्थर है, बल्कि उस विपक्ष के मुंह पर भी करारा जवाब है, जो हर सुधार पर आंखें मूंदकर विरोध करता है।

तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के तहत जेपीएस अकादमी में तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन किया गया। जिसमें असंध ब्लॉक के सभी स्कूलों के डीपीई व पीटीआई को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया। यह योग प्रोटोकॉल अभ्यास 26 मई से शुरू किया गया था। शिविर में पतंजलि योग समिति के प्रभारी एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा, योग सहायक प्रदीप शर्मा व माया राम शास्त्री ने उपस्थित सभी अध्यापकों व आयुष विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को योग प्रोटोकॉल करवाया गया।

योग शिविर में एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा ने सभी को योग के महत्व के बारे में जानकारी दी और कहा कि योग करने से सभी प्रकार की बीमारियां दूर होती है। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है। योग शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद है। यह शारीरिक शक्ति, लचीलापन, और संतुलन में सुधार करता है। इस अवसर पर डॉ. राकेश, डॉ. आरजू, डॉ. कशिश,डॉ. निधि, आयुष सहायक नरेन्द्र व सुनील फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

जिला शिक्षा समिति की टीम ने किया स्कूल का औचक निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

असंध। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला असंध वन में बुधवार को जिला शिक्षा समिति की टीम ने दौरा किया। टीम की अध्यक्षता डॉक्टर करनैल सिंह कर रहे थे और टीम ने एफ एल एन के तहत स्कूलों में करवाई जा रही सीआरपी गतिविधियों बारे गहराई से जांच की। प्रत्येक कक्षा में अलग-अलग जाकर 15-15 छात्रों की दक्षता जांची गई। डॉक्टर करनैल सिंह ने कक्षा इंचार्ज व स्कूल मुखिया मैनपाल मान को साथ लेकर बच्चों की दक्षता की जांच की। इसके बाद डॉक्टर करनैल सिंह ने कहा की सीआरपी के तहत पिछले दो महीने से स्पेशल पाठ्यक्रम करवाया जा रहा है ताकि बच्चों का मानसिक विकास पूर्णता से हो सके तथा वे अगली कक्षा के लिए पूर्ण रूप से तैयार हो। जांच पड़ताल के बाद डॉक्टर करनैल सिंह ने स्टाफ की मीटिंग ली और उन्हें सीआरपी जैसे प्रोग्राम को अच्छी तरह से लागू करने के टिप्स दिए।

स्कूल के मुख्य अध्यापक मैनपाल मान ने बताया की स्कूल में 500 के लगभग बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तथा यह असंध ब्लॉक में सबसे अधिक छात्र संख्या वाला मॉडल प्राइमरी स्कूल है। स्कूल में छात्र संख्या के अनुपात में कक्षा कक्षों की भारी कमी है लेकिन फिर भी समस्त स्टाफ बच्चों के हित के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर जारी हिदायत अनुसार कार्य कर रहा है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान आई अधिकारियों को आश्वासन दिलाया कि अगर स्कूल में छात्र संख्या के अनुसार क्लासरूम उपलब्ध हो तो स्कूल में छात्र संख्या 800 के पार हो सकती है।

इस अवसर पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल अजमेर सिंह सिंधु, मुख्य शिक्षक मैनपाल मान, नरेश सिंधड, मनजीत सिंह, अमरजीत रेड्डु, मीनू रानी, कविता नरवाना, राजेंद्र सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अवैध खनन में लिप्त लोगों के खिलाफ की जाए सख्त कार्रवाई: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिला में अवैध खनन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा अवैध खनन में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इस कार्य में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त उत्तम सिंह बुधवार को उपायुक्त कार्यालय में जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी (खनन) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपायुक्त ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में अवैध खनन को रोकने के लिए पुलिस विभाग, माइनिंग विभाग, एनफोर्समेंट विभाग मिलकर स्थाई नाकाबंदी करें, ताकि अवैध माइनिंग में लगे और ओवरलोडिड वाहनों को रोका जा सके।

उन्होंने एनफोर्समेंट विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन पर नियंत्रण रखने के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाएं और उन पर कड़ी नजर रखें। उन्होंने कहा कि जहां-जहां अवैध खनन की शिकायत मिलती है, ऐसे स्थानों पर पुलिस विभाग के साथ-साथ खनन विभाग के अधिकारी भी अपनी पैनी नजर रखें और अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाएं तथा उनकी एफआईआर भी दर्ज करवाएं। उपायुक्त ने विशेष रूप से इंद्री के गांव चंद्राव, गढ़पुर व कलसौरा में चल रहे अवैध खनन संबंधी शिकायतों पर अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में लगातार अवैध माइनिंग की निगरानी की जाए और इसे रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

बैठक में खनन अधिकारी निरंजन लाल ने बताया कि जिला में अवैध खनन के खिलाफ निरंतर चैकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के तहत अवैध खनन के मामलों में अब तक 12 वाहनों को जब्त किया गया जिन पर करीब 28 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635